# ALL IN ONE GS 14 JANUARY 2019

Q-1 Which of the following is not Reformist Movements?
निम्नलिखित में से कौन सा सुधारवादी आंदोलन नहीं है?
1. Brahma Samaj / ब्रह्म समाज
2. Prarthana Samaj/ प्रार्थना समाज
3. Aligarh Movement /अलीगढ़ आंदोलन
4. Arya Samaj /आर्य समाज

Ans- 4

Brahma Samaj, Prarthana Samaj, Aligarh movement were reformist movements.
ब्रह्मा समाज, प्रार्थना समाज, अलीगढ़ आंदोलन सुधारवादी आंदोलन थे।
Arya Samaj, Deoband movement, and Theosophical movement were Revivalist movements.
आर्य समाज, देवबंद आंदोलन, और थियोसोफिकल आंदोलन पुनरुत्थानवादी आंदोलन थे।

Q-2 Who among the following established the Tattvabodhini Sabha in 1839 at Calcutta?
निम्नलिखित में से किसने 1839 में कलकत्ता में तत्त्वबोधिनी सभा की स्थापना की?
1. Keshab Chandra Sen / केशब चंद्र सेन
2. Debendra Nath Tagore / देबेन्द्र नाथ टैगोर
3. Ram Mohan Roy / राममोहन राय
4. Sivanatha Sastri / शिवनाथ शास्त्री

Ans- 2

Debendranath Tagore has established the Tattvabodhini Sabha in 1839 at Calcutta to propagate Ram Mohan Roy's ideas.
देवेंद्रनाथ टैगोर ने राममोहन राय के विचारों के प्रचार के लिए कलकत्ता में 1839 में तत्त्वबोधिनी सभा की स्थापना की।

Q-3 Which of the following was associated with the Young Bengal Movement?
निम्न में से कौन यंग बंगाल आंदोलन से जुड़े थे?
1. Derozians / डेरोजियों 2. Mitra Bandhu / मित्र बंधु
3. Native marriage Act / नेटिव मैरिज एक्ट 4. Bethune School / बेथ्यून स्कूल

Ans- 1

Young Bengal Movement was launched by Henry Louis Vivian Derozio (1809-1831), who had come to Calcutta in 1826 and was appointed in the Hindu College as a teacher of English literature and History.
यंग बंगाल आंदोलन का शुभारंभ हेनरी लुईस विवियन डेरोजियो (1809-1831) ने किया था, जो 1826 में कलकत्ता आए थे और हिंदू कॉलेज में अंग्रेजी साहित्य और इतिहास के शिक्षक के रूप में नियुक्त हुए थे।
They condemned religious rites, rituals and pleaded for the eradication of social evils, female education, and improvement in the condition of women.
उन्होंने धार्मिक संस्कारों, अनुष्ठानों की निंदा की और सामाजिक कुरीतियों, महिला शिक्षा के उन्मूलन और महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए निवेदन किया।
His followers were known as the Derozians.
उनके अनुयायियों को डेरोजियों के रूप में जाना जाता था।
He edited Hesperus and Calcutta Literary Gazette and was connected with India Gazette as well.
उन्होंने संध्या का तारा और कलकत्ता साहित्यिक गजट का संपादन किया और इंडिया गजट के साथ भी जुड़े रहे।

Q-4 Who among the following was popularly known as 'Lokahitawadi'?
निम्नलिखित में से किसे 'लोकहितवादी' के नाम से जाना जाता था?
1. Jyotiba Phule / ज्योतिबा फुले
2. Pt. Ishwar Chandra Vidyasagar / पं ईश्वर चंद्र विद्यासागर
3. Gopal Hari Deshmukh / गोपाल हरि देशमुख
4. Mahadev Govind Ranade / महादेव गोविंद रानाडे

Ans- 3

Gopal Hari Deshmukh was an Indian nationalist activist, thinker, social reformer and writer from Maharashtra.
गोपाल हरि देशमुख एक भारतीय राष्ट्रवादी कार्यकर्ता, विचारक, समाज सुधारक और महाराष्ट्र के लेखक थे।
His original surname was Shidhaye.
उनका मूल उपनाम शिधय था।
Other names- Lokhitwadi, Rao Bahadur
अन्य नाम- लोकहितवादी, राव बहादुर
He made powerful rationalist attacks on Hindu orthodoxy and preached religious and social equality.
उन्होंने हिंदू रूढ़िवादी पर शक्तिशाली बुद्धिवादी हमले किए और धार्मिक और सामाजिक समानता का प्रचार किया।

Q-5 Who among the following established the Mukti Mission in Pune?
निम्नलिखित में से किसने पुणे में मुक्ति मिशन की स्थापना की?
1. Pandit Ramabai / पंडित रमाबाई
2. Dayanand Saraswati / दयानंद सरस्वती
3. Savitribai Phule / सावित्रीबाई फुले
4. Jyotiba Phule / ज्योतिबा फुले

Ans- 1

In 1889, Pandita Ramabai established the Mukti Mission, in Pune, a refuge for young widows who had been deserted and abused by their families.
1889 में, पंडिता रमाबाई ने पुणे में मुक्ति मिशन की स्थापना की, जो उन युवा विधवाओं की शरणस्थली थी, जो अपने परिवारों द्वारा निर्जन और दुर्व्यवहार करती थी।
She also started Sharda Sadan which provided housing, education, vocational training, and medical services to widows, orphans and the visually challenged.
उन्होंने शारदा सदन भी शुरू किया जिसमें विधवाओं, अनाथों और नेत्रहीनों को आवास, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, और चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं।

Q-6 Who among the following founded the Namdhari Movement?
निम्नलिखित में से किसने नामधारी आंदोलन की स्थापना की?
1. Baba Dyal Singh / बाबा दयाल सिंह
2. Baba Ram Singh / बाबा राम सिंह
3. Mahmud Hasan / महमूद हसन
4. Jagat Mitra / जगत मित्र

Ans- 2

Ram Singh Kuka was a soldier, a religious leader and a prominent contributor to the Indian freedom movement.
राम सिंह कूका एक सैनिक, एक धार्मिक नेता और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में एक प्रमुख योगदानकर्ता थे।
He was the founder of the Kuka movement.
वे कूका आंदोलन के संस्थापक थे।
The Namdhari Movement was founded by Baba Ram Singh.
नामधारी आंदोलन की स्थापना बाबा राम सिंह ने की थी।
His policy of non-cooperation with the British was immensely popular among the masses, mainly in Punjab.
अंग्रेजों के साथ असहयोग की उनकी नीति आम तौर पर पंजाब में आम जनता के बीच काफी लोकप्रिय थी।
His followers' were white clothes and gave up meat eating.
उनके अनुयायियों ने सफेद कपड़े पहने और मांस खाना छोड़ दिया।
In 2016, the Government of India officially decided to commemorate the 200th anniversary of Satguru Ram Singh.
2016 में, भारत सरकार ने आधिकारिक रूप से सतगुरु राम सिंह की 200 वीं वर्षगांठ मनाने का निर्णय लिया।

Q-7 The Parsi Reform Movement Rahnumai Mazdayasnan Sabha (Religious Reform Association) was founded in which year?
पारसी सुधार आंदोलन रहनुमाई मजदायसन सभा (धार्मिक सुधार संघ) की स्थापना किस वर्ष की गई थी?
1. 1829 2. 1851
3. 1861 4. 1879

Ans- 2

The Western-educated progressive Parsis like Dadabhai Naoroji, J.B. Wacha, S.S. Bengali, and Naoroji Furdonji founded the Rahanumai Mazdayasanan Sabha (Religious Reform Association) in 1851.
पश्चिमी शिक्षित प्रगतिशील पारसी जैसे दादाभाई नौरोजी, जे.बी. वाचा, एस.एस. बंगाली, और नौरोजी फुरदोनजी ने 1851 में रहनुमाई मजदायसन सभा (धार्मिक सुधार संघ) की स्थापना की।

The prime objective of this association was "the regeneration of the social condition of the Parsis and the restoration of the Zoroastrian religion to its pristine purity".
इस संघ का मुख्य उद्देश्य "पारसियों की सामाजिक स्थिति का उत्थान और इसकी प्राचीन शुद्धता के लिए पारसी धर्म की बहाली" था।

Q-8 Which of the following is correct?
निम्न में से कौन सा सही है?
1. Hindu College: David Hare / हिंदू कॉलेज: डेविड हेअर
2. Vedanta College: Ram Mohan Roy / वेदांत कॉलेज: राम मोहन राय
3. Sanskrit College: Ishwar Chandra Vidyasagar / संस्कृत महाविद्यालय: ईश्वर चंद्र विद्यासागर
4. All are correct / सभी सही हैं

Ans- 4

Q-9 Which of the following is/are incorrect?
निम्नलिखित में से कौन सा असत्य है?

A. Pandit Ishwar Chandra Vidyasagar was associated with women's education / पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर महिलाओं की शिक्षा से जुड़े थे

B. Arya Samaj crusaded for the disintegration of Hindu society into myriad sub castes aimed at the fourfold division and upholding the rights of even the lowest castes / आर्य समाज ने चार गुना विभाजन के उद्देश्य से असंख्य उप जातियों में हिंदू समाज के विघटन के लिए संघर्ष किया और सबसे निचली जातियों के अधिकारों को कायम रखा

C. Initiatives to open temples for lower castes was done by rulers of Indore, Devas, and Travancore / निचली जातियों के लिए मंदिर खोलने की पहल इंदौर, देवास और त्रावणकोर के शासकों ने की थी।

D. Ambedkar founded All India Harijan Sangh in 1932 / अंबेडकर ने 1932 में अखिल भारतीय हरिजन संघ की स्थापना की

1. Only A and C
2. Only A, B, and C
3. Only D
4. All are incorrect

Ans- 3

Gandhiji founded All India Harijan Sangh in 1932.
गांधीजी ने 1932 में अखिल भारतीय हरिजन संघ की स्थापना की।
B.R. Ambedkar founded All India Scheduled Caste Federation in 1942.
बी.आर. अम्बेडकर ने 1942 में अखिल भारतीय अनुसूचित जाति महासंघ की स्थापना की।

Q-10 Which of the following is the right match?
निम्नलिखित में से कौन सही मिलान है?
1. Keshab Chandra Sen: Brahmo Samaj of India / केशब चंद्र सेन: भारत का ब्रह्म समाज
2. Debendranath Tagore: Adi Brahmo Samaj / देबेंद्रनाथ टैगोर: आदि ब्रह्म समाज
3. Dayanand Saraswati: Arya Samaj / दयानंद सरस्वती: आर्य समाज
4. All of the above / उपरोक्त सभी

Ans- 4

Q-11 Dayanand Anglo Vedic (DAV) Schools were established first in 1886 at:
दयानंद एंग्लो वैदिक (डीएवी) स्कूल 1886 में पहली बार स्थापित किए गए थे:
1. Bombay / बंबई
2. Madras / मद्रास
3. Lahore / लाहौर
4. Haridwar / हरिद्वार

Ans- 3

Q-12 Which of the following is correct?
निम्न में से कौन सा सही है?
1. Servants of India Society: G G Agarkar / सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी: जी जी आगरकर
2. Social Service League: G K Gokhale / सोशल सेवा लीग: जी के गोखले
3. Ramakrishna Movement: J Phule / रामकृष्ण आंदोलन: जे फुले
4. Dharam Sabha: Radhakant Deb / धर्म सभा: राधाकांत देब

Ans- 4

Dharam Sabha: Radhakant Deb / धर्म सभा: राधाकांत देब
Servants of India Society: G K Gokhale / सर्वेंट्स ऑफ इंडिया सोसाइटी: जी के गोखले
Social Service League: Narayan Malhar Joshi / सामाजिक सेवा लीग: नारायण मल्हार जोशी
Ramkrishna Movement: RamKrishna Paramhansa / रामकृष्ण आंदोलन: रामकृष्ण परमहंस

Q-13 Who proclaimed "Rationalism is our only preceptor"?
किसने घोषणा की "बुद्धिवाद ही हमारा एकमात्र उपदेशक है" ?
1. Akshay Kumar Dutt / अक्षय कुमार दत्त
2. Jyotiba Phule / ज्योतिबा फुले
3. Haji Shariatullah / हाजी शरीयतुल्लाह
4. Syed Ahmed Khan / सैयद अहमद खान

Ans- 1

Akshay Kumar Datta was a Bengali rationalist writer from the Indian subcontinent.
अक्षय कुमार दत्त भारतीय उपमहाद्वीप के एक बंगाली तर्कवादी लेखक थे।
He was born in Bagerhat, British India.
उनका जन्म ब्रिटिश भारत के बागेरहाट में हुआ था।
Rationalism is our only preceptor was said in a religious context.
तर्कवाद हमारा एकमात्र उपदेशक एक धार्मिक संदर्भ में कहा गया था।
He held that all socio and religious phenomena can be analyzed and understood by the purely mechanical process.
उन्होंने कहा कि सभी सामाजिक और धार्मिक घटनाओं का विशुद्ध रूप से यांत्रिक प्रक्रिया द्वारा विश्लेषण और समझा जा सकता है।

Q-14 Who was the founder of Tattvabodhini Sabha?
तत्त्वबोधिनी सभा के संस्थापक कौन थे?
1. Dadoba Pandurang / दादोबा पांडुरंग
2. Devendranath Tagore / देवेंद्रनाथ टैगोर
3. Radha Kant Deb / राधा कांत देब
4. Keshav Chandra Sen / केशव चंद्र सेन

Ans- 2

On 6 October 1839 Debendranath Tagore established Tattvaranjini Sabha which was thereafter renamed the Tattvabodhini (Truth-seekers) Sabha.
6 अक्टूबर 1839 को देबेंद्रनाथ टैगोर ने तत्त्वरंजिनी सभा की स्थापना की, जिसका नाम बदलकर तत्त्वबोधिनी (सत्य-साधक) सभा रखा गया।
In 1859, the Tattvabodhini Sabha was dissolved back into the Brahmo Samaj by Debendranath Tagore.
1859 में, तत्त्वबोधिनी सभा को देवेंद्रनाथ टैगोर द्वारा ब्रह्म समाज में वापस मिला दिया गया।

CLICK ON THIS VIDEO
Mahendra's
YOUR SUCCESS IS OUR SUCCESS
Specialized in Banking, SSC, Railway & other Competitive Examinations
TOLL FREE NO : 1800-103-5225 (9 am to 6 pm)